9

जनजातीय और लोककला के संदर्भ में रचनात्मक डिज़ाइन

लक्ष्य

रूपांकनों की पुनर्व्यवस्था और पुनरावृत्ति की सहायता से एक नया कला रूप बनाने के लिए विभिन्न लोक रूपांकनों और सामग्रियों का अध्ययन और उन्हें अपनाना।

परिचय

रचनात्मक डिज़ाइन किसी विचार और कल्पना का पता लगाने और उसे कला में बदलने या रचने का तरीका है। यहाँ विभिन्न जनजातीय और लोक रूपांकनों और रूपों का पता लगाया जाएगा जिनका उपयोग रचनात्मक डिज़ाइन के रूप में एक नई कलाकृति बनाने के लिए किया जा सकता है। इस पाठ में विभिन्न क्षेत्रों की विभिन्न प्रकार की लोक और आदिवासी कलाओं के बारे मे सीखा जाएगा, जिनमें मुख्य रूप से मधुबनी, भील और कोलम शामिल हैं। डिजाइन बनाते समय एक कलाकार को इन विभिन्न सामग्रियों, तकनीकों और तत्काल परिवेश से वे कैसे प्राप्त हुए, इन पर विचार करना चाहिए। इस पाठ में, हम विभिन्न लोक और जनजातीय कला रूपांकनों और रूपों को बनाना सीखेंगे, और रूपांकनों का उपयोग करके एक नया रूप या डिज़ाइन बनाने का प्रयास करेंगे और अपने आस-पास के परिवेश से रंगों को डिज़ाइन करने की विधि को भी अपनाएंगे।

उद्देश्य

इस प्रायोगिक पाठ को पढ़ने के बाद आप :

- विभिन्न जनजातीय और लोककला के रूपांकनों और उनके रूपों के बीच अंतर कर सकेंगे;
- रंगों के निर्माण और उनके उपयोग का विश्लेषण कर सकेंगे;

- लोक और जनजातीय कला रूपों और रूपांकनों की मदद से एक रचनात्मक डिजाइन की व्यवस्था ओर रचना कर सकेंगे;
- विभिन्न सामग्रियों और विधियों का उपयोग करने का कौशल विकसित कर सकेंगे;
- रूपों और मोटिफों को दोहराकर और पुनर्व्यवस्थित करके एक रचनात्मक नवीन कला की रचना कर सकेंगे;
- विभिन्न ज्यामितीय पैटर्न और उसके महत्व का निर्माण कर सकेंगे।

मधुबनी चित्रकला

अब हम मधुबनी पेंटिंग के बारे में जानने हैं। मधुबनी पेंटिंग प्राकृतिक चीजों से निकाले गए रंगों का उपयोग करके बनाई जाती थी। मधुबनी पेंटिंग पारंपरिक रूप से मिथिला क्षेत्र के विभिन्न समुदायों की महिलाओं द्वारा बनाई गई। यह पेंटिंग लोक चित्रकला का एका रूप है।

आइए एक मधुबनी पेंटिंग बनाएँ

चरण 1: सबसे पहले, ज्यामितीय पैटर्न का उपयोग करके शीट पर एक सुंदर बॉर्डर बनाएं। बॉर्डर मधुबनी पेंटिंग का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो इसे सुंदर और संपूर्ण बनाता है। रचना के बॉर्डर का आकार 1.5 इंच से 2.5 तक हो सकता है। यह ड्राइंग पेपर के आकार पर निर्भर करता है; बॉर्डर बनाने के बाद शीट के केंद्र में मुख्य आकृतियाँ बनाएं और फिर शेष क्षेत्र को पूरा करें। सबसे पहले, हमने एक मछली बेचने वाली महिला का चित्र बनाया है जैसा चित्र 9.1 में दिखाया गया है।

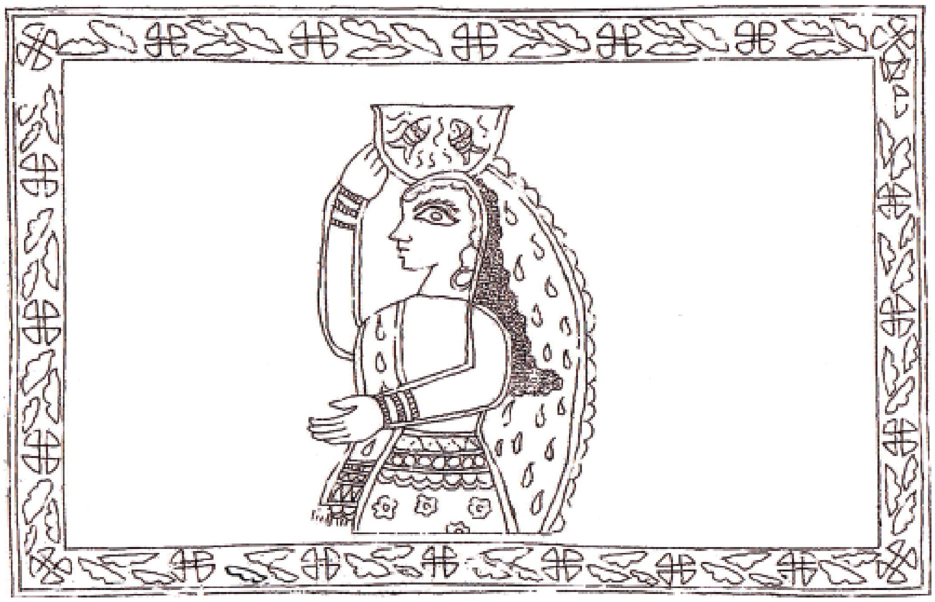

चित्र 9.1

चरण 2: दूसरे चरण में, शीट के शेष क्षेत्र को पूरा करने के लिए पत्तियों, फलों और पक्षियों के साथ पेड़ का चित्र बनाएं। इस ड्राइंग के लिए आप किसी भी प्राकृतिक चीज़, आकृतियों आदि का उपयोग कर सकते हैं (चित्र 9.2 देखें)।

चित्र 9.2

चरण 3: इस चरण में, हम मुख्य आकृतियों से शुरुआत करते हुए पेंटिंग में रंग भरना शुरू करते है। मुख्य आकृतियों के बाद, अन्य आकृतियों को गहरे रंगों से भरें (चित्र 9.3 देखें)।

चित्र 9.3

चरण 4: इस चरण में, पेंटिंग की शेष आकृति को पेड़ों, तनों, पक्षियों और सीमाओं के रूप में रंग दें। चमकीले और समृद्ध रंगों के साथ तने के लिए भूरे और पत्तियों के लिए हरे रंग का उपयोग करें। अब मधुबनी पेंटिंग पूरी हो गई है। (चित्र 9.4 देखें)।

चित्र 9.4

भील चित्रकला

आइए अब भील चित्रकला सीखें।

भील चित्रकला भारत में भील जनजाति समुदाय की जनजातीय कला है। भील मध्यप्रदेश, गुजरात, राजस्थान और भारत के कुछ अन्य राज्यों में रहते हैं। भील चित्रकला मुख्य रूप से इस जनजाति की प्रकृति और जीवन से संबंधित है। भील कला की विशेषताएँ मुख्यत: बिंदु हैं जो संपूर्ण पृष्ठभूमि को कवर करती हैं। इन बिंदुओं को डिजाइन और इसकी सतह पर सुंदर पैटर्न और रंगों के साथ कुशलतापूर्वक लगाया जाता है। हम जानवरों, प्रकृति, पक्षियों और मनुष्यों जैसी सरल आकृतियों का उपयोग करके कागज पर पेंसिल और जल रंग से भील पेंटिंग बनाएंगे। तो, भील पेंटिंग बनाने के लिए आपको जलरंग, कागज, पेंसिल, ब्रश आदि की आवश्यकता होगी।

चरण 1: एक शीट लें और अपनी पसंद का चित्र बनाएं। हमने मोर पक्षी का विषय चुना है, जैसा चित्र 9.5 में दिखाया गया है।

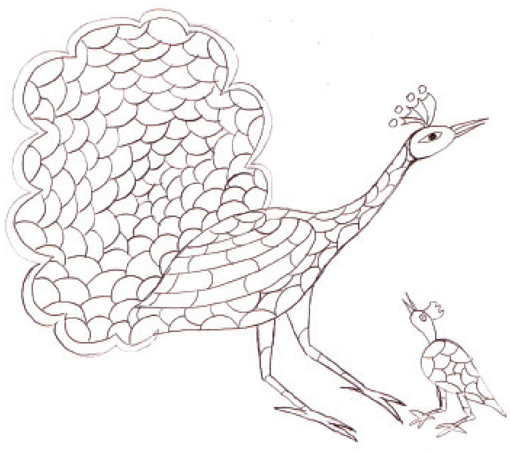

चित्र 9.5

चरण 2: मूल रंग लगाना शुरू करें। आप ऐक्रेलिक या पोस्टर रंगों का उपयोग कर सकते हैं। सबसे पहले, आकृति के मुख्य भाग पर एक या दो कोट लगाएँ। फिर आप अपनी पसंद के अनुसार लाल, हरा, नीला, पीला और नारंगी जैसे रंगों का उपयोग कर सकते है, जैसा कि चित्र 9.6 में दिखाया गया है।

चित्र 9.6

चरण 3: जब मूल रंग सूख जाए। एक पतले ब्रश से आकृतियों में बिंदु लगाना शुरू करें;। यदि आप डॉट्स लगाने के लिए ब्रश का उपयोग करने में असहज हैं, तो आप कॉटन बड के साथ एक पतली लकड़ी की छड़ी का भी उपयोग कर सकते हैं। बिंदुओं को बारीकी से लगाना चाहिए, जैसा कि चित्र 9.7 में दिखाया गया है।

चित्र 9.7

चरण 4: अंतिम चरण में, ड्राइंग के शेष भाग में सावधानीपूर्वक बिंदुओं को रखें। (चित्र 9.8 देखें)

चित्र 9.8

अब, आपको एक सुंदर भील पेंटिंग मिलेगी, जैसा चित्र में दिखाया गया है।

चित्र 9.9

नोट: रंगों और बिंदुओं को मिलाने से बचें।

टिप्पणियाँ

कोलम डिज़ाइन

कोलम चित्रकला भारत के दक्षिणी भाग में प्रसिद्ध है। इसे चाक पाउडर, चावल पाउडर और अन्य प्राकृतिक सामग्रियों का उपयोग करके तैयार किया जाता है। इस चित्रकला में ज्यामितीय आकृतियों और रेखाओं का एक संयोजन बनाया जाता है जिसमें समानांतर बिंदुओं का अलग-अलग रेखाओं की मदद से जोड़कर सुंदर डिज़ाइन बनाए जाते हैं।

चरण 1: सबसे पहले, पेस्टल शीट की तरह एक गहरे रंग का कागज इकट्ठा करें और चित्र 9.10 में दिखाए अनुसार इस तरह से बिंदुओं को चिह्नित करना शुरू करें। (चित्र 9.10 देखें)

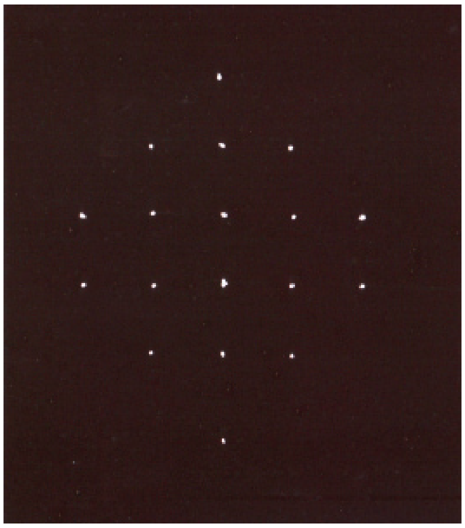

चित्र 9.10

चरण 2: नीचे दिए हुए चित्र के अनुसार सफेद रंग या पेंसिल की सहायता से डिजाइन बनाएँ। रंगों के साथ पतली तूलिका का भी उपयोग करें। चित्र 9.11 देखे)

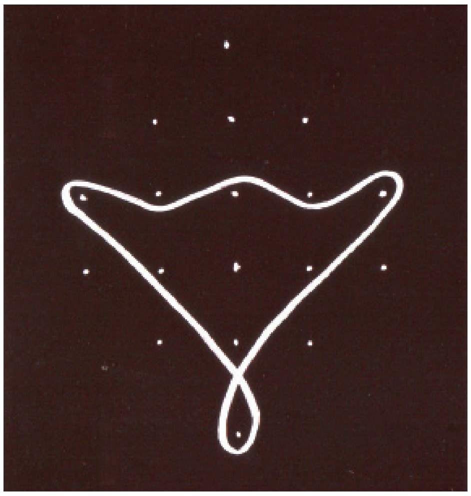

चित्र 9.11

चरण 3: चरण 2 में बने पैटर्न के ठीक विपरीत बिंदुओं को जोड़कर वही पैटर्न बनाएं (चित्र 9.12 देखें)।

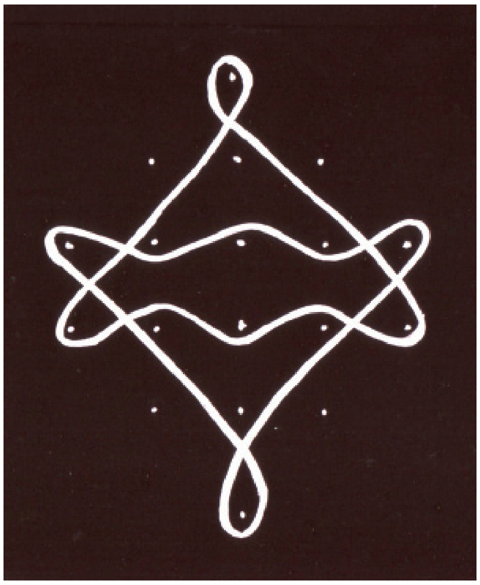

चित्र 9.12

चरण 4: हृदय का आकार बनाएँ दूसरी और तीसरी पंक्ति का उपयोग करे, जैसा कि चित्र 9.13 में दिखाया गया है।

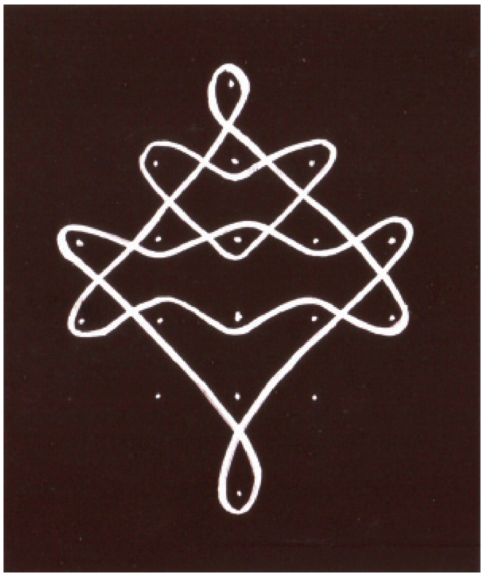

चित्र 9.13

चरण 5: कोलम कला के डिज़ाइन को पूरा करने के लिए, उसके ठीक विपरीत दिल का आकार बनाएँ जैसा चरण 4 में बनाया गया, जैसा चित्र 9.14 में दिखाया गया है।

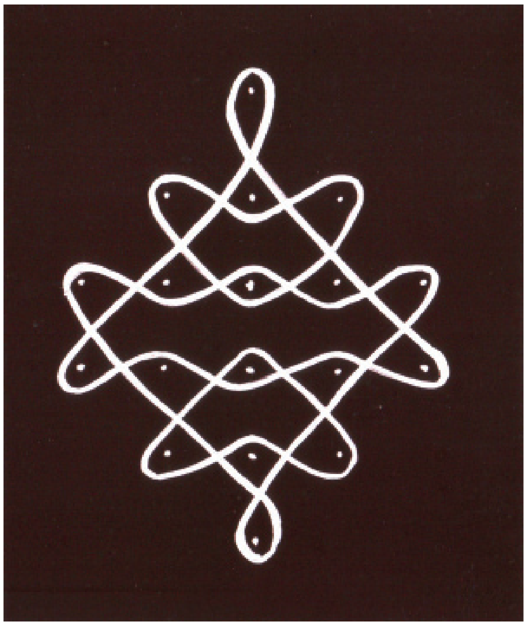

चित्र 9.14

अब कोलम डिज़ाइन पूरा हो गया है।

आपने क्या सीखा

- रचनात्मक डिज़ाइन कलाकार के विचार और कल्पना का पता लगाने का तरीका है।
- रूपांकनों (मोटिफों) का उपयोग करके एक नया डिज़ाइन बनाना।
- अपने आसपास के परिवेश से रंग डिज़ाइन करने की विधि को जानना।
- लोक और जनजातीय कला रूपों की सहायता से डिज़ाइनों का चित्रण करना।

पाठांत प्रश्न

1. ज्यामितीय पैटर्न का उपयोग करके A4 आकार की शीट पर एक बॉर्डर बनाएं।
2. सरल आकृतियों का उपयोग करके भील चित्रकला का एक डिजाइन बनाएं।
3. भील चित्रकला के बारे में संक्षेप में लिखें।
4. कोलम कला रूपों से एक विचार लेते हुए एक रचनात्मक डिज़ाइन का चित्रण करें।